गीबत करना

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

{१} मिश्कात; रावी हज़रत अबू हुरैरा (रदी) खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- क्या तुम्हें मालूम है की गीबत क्या है? लोगों ने कहा अल्लाह और उस्के रसूल ज़्यादा जानते है. आपﷺ ने फरमाया- गीबत ये है की तू अपने भाई का जिकर करे ऐसे ढंग से जिसे वो नापसन्द करता है. फिर आपﷺ से पूछा गया, की बताईये अगर वो बात जो में कह रहा हूं मेरे भाई के, अन्दर पाई जाती हो तब भी ये गीबत होगी, रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- अगर वो बात जिस्को तू कहता है उस्के, अन्दर मौजूद हो तो ये गीबत हुई और अगर उस्के बारे में वो बात कही जो उस्के, अन्दर नहीं है तो तूने उसपर बुहतान (इल्ज़ाम) लगाया.

मोमिन को उस्की गलतियों पर अच्छे, अन्दाज में टोका जाए तो जाहिर है वो बरा ना मानेगा, इसी तरह उस्की गलती की

खबर उस्के ज़िम्मेदारों को दी जाए तो उसे भी वो नापसन्द नहीं करेगा क्योंकि ये भी उस्की इसलाह (सुधार) का एक तरीका है हां उसे तकलीफ होगी और होनी चाहिए जबकि आप अपने मोमिन भाई को सोसाईटी की निगाह से गिराने के लिए उस्की गैर हाजिरी में उस्की खामियां बयान करे, रहा वो शख्स जो खुल्लम खुल्ला अल्लाह की नाफरमानी (अवज्ञा) करता है और किसी तरह नहीं मानता तो उस्की बुराई बयान करना गीबत नहीं है बल्की उस्को नंगा करना बहुत बडी नेकी है, और आपﷺ ने इस्की हिदायत की है.

{२} मिश्कात; रावी हज़रत अबू सईद व जाबिर (रदी) खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- की गोबत ज़िना से बडा गुनाह है लोगों ने कहा की ऐ अल्लाह के रसूल! गीबत ज़िना से बडा गुनाह कैसे है? आपने फरमाया- की आदमी ज़िना करता है फिर तौबा करता है तो अल्लाह उस्की तौबा कुबूल फरमा लेता है, लेकिन गीबत करने वाले को माफ नहीं करेगा जब तक वो शख्स उस्को माफी ना दे दे जिस की उसने गीबत की है.

{३} मिश्कात; रावी हज़रत अनस (रदी) खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- की गीबत का एक कफ्फारा ये है की तू माफी की दुआ करे उस शख्स के लिए जिस की तूने गीबत की है तो इस तरह कहे की ऐ अल्लाह तू मेरी और उस्की मगफिरत फरमा. अगर वो शख्स मौजूद है और उस्से अपना जुर्म माफ कराया जा सकता है तो माफ कराये और अगर माफी की कोई सूरत बाकी नहीं रही उस्के मर जाने की वजह से या कहीं दूर जा बसने की वजह से तो फिर उस्के लिए माफी की दुआ के अलावा कोई राह नहीं.

{४} अबू दाउद; रावी हज़रत अनस (रदी) खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- की जब मेरा मुझ को आसमान पर लेगाए तो में वहा कुछ लोगो के पास से गुजरा जिन्के नाखून पीतल के थे और वो अपने चेहरे और सीने को नोच रहे थे, मेने हज़रत जिबरील (अल) से पूछा की ये कौन लोग हे? हज़रत जिबरील (अल) ने कहा की ये वे लोग हे जो दुन्या में दुसरे लोगो का गोश्त खाया करते थे, और उन्की इज्ज़त से खेलते थे. लोगो का गोश्त खाया करते थे का मतलब उन्की

चुगली करते थे और उन्की इज्ज़त को बरबाद करने में लगे रहते थे.

{५} बुखारी; रावी हज़रत आईशा (रदी) खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- मुर्दों को बुरा भला ना कहो इसलिए की वो अपने आमाल (कर्मों) तक पहुंच चुके है.